*****

भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2808

गुरूवार, 14 मार्च, 2013

'भेल' का कारोबार और लाभ

2808. श्री एस.एस. रामासुब्बू:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) का कारोबार और लाभ विगत वर्षों में लगातार बढ़ा है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या "भेल" को महारत्न का दर्जा हासिल हो गया है;

(घ) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या इसके कार्यकरण और लाभ को और सुधारने हेतु सरकार द्वारा कोई कदम उठाए गए है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रफुल पटेल)

(क) और (ख): जी हां । ब्यौरा निम्नानुसार है:

	2009-10	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13 (तीसरी तिमाही तक अनंकेक्षित/अनंतिम)**
कारोबार (करोड़ रूपए)	34,154	43,337	49,510	30,290
कर उपरांत लाभ (करोड़ रूपए)	4,311	6,011	7,040	3,377

(ग) और (घ): जी हां । भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को लोक उद्यम विभाग के दिनांक 1 फरवरी, 2013 के कार्यालय ज्ञापन सं. 22(1)/2009-जीएम के द्वारा महारत्न का दर्जा दे दिया गया है ।

(ड.) और (च): जी हां । भेल द्वारा अपने कार्यनिष्पादन को परिष्कृत करने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ कई कदम उठाए गए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :-

1 270 मेगावाट, 525 मेगावाट और 600 मेगावाट वाली थर्मल इकाइयां और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल 660 मेगावाट, 700 मेगावाट तथा 800 मेगावाट रेटिंग वाले अति महत्वपूर्ण थर्मल सेट के अपग्रेडिड माड्यूल्स शुरू करना ।

2. प्रति वर्ष 20,000 मेगावाट विद्युत उपकरण (मुख्य संयंत्र एवं मशीनरी) डिलीवर करने की क्षमता में वृद्धि करना।

3. अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान: कंपनी ने वर्ष 2011-12 के दौरान अनुसंधान और विकास पर कारोबार का 2.42% अर्थात लगभग 1,199 करोड़ रूपए खर्च किए तथा 351 पेटेंट/कापीराइट के मामले फाइल करने के फलस्वरूप भेल देश में सीएसआईआर के बाद अधिकतम पेटेंट फाइल करने वाला बन गया है ।

4. जन विकास को अधिक महत्व देना ।

5. विविधिकरण, विलयन और अधिग्रहण (एमएंडए) के संबंध में कदम उठाना ।

*****